

## (21) ट्रेड-पौधशाला

कक्षा-11

### उद्देश्य-

- 1-पौधशाला उद्योग का औद्योगीकरण देश की बढ़ती हुई बेरोजगारी को दूर करना।
- 2-अधिकतम पौध तैयार करना, बिक्री बढ़ाना, वृक्षारोपण कर देश में वन उद्योग को प्रोत्साहन देना और आय में वृद्धि करना।
- 3-कम से कम पूंजी लगाकर प्रति हेक्टेयर अधिकतम उत्पादन तथा वर्ष भर आय का उत्तम स्रोत।
- 4-पौधशाला उद्योग में दक्षता प्राप्त कर भविष्य में जीविकोपार्जन के लिए सक्षम बनाना।
- 5-श्रम के प्रति आस्था उत्पन्न करना, आत्मनिर्भर बनने एवं एक कुशल नागरिक निर्माण में सहायक होना।
- 6-विभिन्न प्रकार के पौधों को बड़े पैमाने में उगाकर व्यापार बढ़ाना तथा देश की अनुभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम होना।
- 7-पौध उत्पादन, रख-रखाव एवं वृहत् मात्रा में परिवहन सम्बन्धी यन्त्रों, उपकरणों आदि का समुचित ज्ञान प्राप्त कर अपने निजी जीवन को उपयोगी बनाने में सक्षम होना।
- 8-देश की ऊसर भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, वर्षा कराने, वायु मण्डल को शुद्ध करने तथा खाद्य समस्या को हल करने का उत्तम स्रोत एवं व्यवसाय।

### रोजगार के अवसर-

- 1-पौधशाला उद्योग की विभिन्न इकाइयों में रोजगार मिलने की सम्भावना।
- 2-पौधशाला उद्योग में स्व-रोजगार या अपना निजी व्यवसाय चलाना।
- 3-पौध उत्पादन, बिक्री आदि व्यवसाय या उनका व्यापार कर सकता है।
- 4-पौध उत्पादन की अलग-अलग इकाइयां खोलकर, उत्पादन बढ़ाकर स्वयं दुकान खोल सकता है।
- 5-पौधशाला उद्योग से सम्बन्धित यन्त्रों, उपकरण एवं अन्य सामग्री विक्रय का उद्योग चला सकता है।
- 6-पौधशाला उत्पादन एवं बिक्री सम्बन्धी समितियां बनाकर स्वयं तथा अन्य को रोजगार उपलब्ध करा सकता है।

### पाठ्यक्रम-

इस ट्रेड में तीन-तीन घण्टे के पांच प्रश्न-पत्र और भी प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा-

(क) सैद्धान्तिक-

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक
प्रथम प्रश्न-पत्र	60	} 300	20
द्वितीय प्रश्न-पत्र	60		20
तृतीय प्रश्न-पत्र	60		20
चतुर्थ प्रश्न-पत्र	60		20
पंचम प्रश्न-पत्र	60		20
(ख) प्रयोगात्मक-	400		200

टीप-परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न-पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

### प्रथम प्रश्न-पत्र

60 अंक

### पौधशाला प्रौद्योगिकी की आधारभूत ज्ञान

- 1-पौधशाला-परिचय, परिभाषा, पौधशाला के प्रकार 12
- 2-पौधशाला-वर्तमान दशा में भविष्य एवं सम्भावनायें 12
- 3-पौधशाला का महत्व-प्रमुख पौधशालाओं का नाम तथा उनका अध्ययन। 12
- 4-पौधशाला में प्रयुक्त यंत्र एवं उपकरण। 12
- 5-पौध प्रवर्धन में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के पात्र यथा गमला, पालीथीन बैग, प्लास्टिक कप आदि। 12

### द्वितीय प्रश्न-पत्र

60 अंक

### पौधशाला पौध प्रवर्धन

- 1-पौध प्रवर्धन की परिभाषा, इतिहास एवं महत्व। 15
- 2-पौध प्रवर्धन वर्गीकरण, लैंगिक व अलैंगिक प्रवर्धन विधियों, लाभ तथा हानियां। 15
- 3-टीशू कल्चर प्रवर्धन की नई तकनीकी। 15
- 4-फलों की व्यावसायिक प्रवर्धन विधियों का ज्ञान। 15

### तृतीय प्रश्न-पत्र

60 अंक

### पौधशाला प्रबन्ध, अलंकृत एवं शोभाकार पौधे

1-पौधशाला की स्थापना-स्थान का चुनाव, पौधशाला की योजना तथा रेखांकन पद्धतियाँ।	10
2-पौधशाला भूमि की तैयारी एवं भूमि शोधन।	10
3-मातृ वृक्ष-प्रमुख गुण, चुनाव एवं देखभाल।	10
4-मूल वृत्त तथा शाखा का चुनाव एवं तैयारी।	10
5-नर्सरी में पौध उगाना-स्थान का चुनाव, बीज शैथ्या की तैयारी, बीज की बुआई, पालीथीन बैग में पौध उगाना तथा पौध की देखभाल।	10
6--पौध रोपण-पौधशाला से पौध निकालने में सावधानियों, गमलों, पालीथीन बैग तथा क्यारियों में रोपण।	10

#### चतुर्थ प्रश्न-पत्र

60 अंक

#### वानिकीय पौधों की पौधशाला

1--वानिकी--परिभाषा, वानिकी के प्रकार तथा योजनाएं।	20
2--वानिकी का उपयोग महत्व, वर्तमान दशा तथा भविष्य।	20
3--वानिकीय पौधों का उद्देश्य, ईंधन, उद्योग, इमारत लकड़ी, रबर, गोंद, बहुरोजा, रंग, औषधि देने वाले पौधे, दलदली क्षारीय, ऊसर भूमि वाले पौधे। भूमि कटाव तथा प्रदूषण रोकने वाले पौधे।	20

#### पंचम प्रश्न-पत्र

60 अंक

#### पौध विपणन एवं प्रसार

1--पौध विपणन--परिभाषा तथा विधियां।	20
2--पौधशाला अभिलेख--मातृवृक्ष रजिस्टर, कार्यक्रम अभिलेख, भण्डार पंजिका, कैशमेमो, बिल का रख-रखाव एवं महत्व।	20
3--क्रय-विक्रय--सावधानियां, पैकिंग, भेजने का माध्यम, सामग्री तथा सावधानियाँ तथा तकनीक	20

#### प्रयोगात्मक

- 1--पौधशाला प्रवर्धन रचनाओं का अध्ययन।
- 2--पौधशाला यन्त्रों तथा उपकरणों का अध्ययन।
- 3--पौधशाला, भूमि मिश्रणों, पौधरोपण, माध्यमों का अध्ययन।
- 4--गमला मिश्रण तैयार करना तथा गमला भरना।
- 5--बीज शैया तैयार करना।
- 6--विभिन्न सब्जियों के बीजों को पहचानने व उनकी पौध तैयार करें।
- 7--बीज अंकुरण परीक्षण तथा जीवंतता परीक्षण।
- 8--प्रवर्धन तरीकों, भेंट कलम, गूटी कलम बांधना, कालिकायन के विभिन्न तरीकों का ज्ञान।
- 9--मूल वृत्त उगाना।
- 10--कालिका शाखा का चुनाव।
- 11--पौधशाला रेखांकन।
- 12--पौध रोपण।
- 13--क्यारी व गमले तैयार करना।
- 14--वृद्धि नियामकों से तना कृन्तनों का शोधन करना।

#### प्रयोगात्मक परीक्षा की रूपरेखा

समय--5 घण्टे

#### प्रयोगात्मक परीक्षा--

(1)

परीक्षार्थियों को तीन प्रयोग दिये जायें--

प्रयोग--1 (दीर्घ प्रयोग)

प्रयोग--2 (दीर्घ प्रयोग)

प्रयोग--3 (दीर्घ प्रयोग)

(2)

(क) सत्रीय कार्य

(ख) कार्य-स्थल का प्रशिक्षण

नोट--प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

#### संस्तुत पुस्तकें--

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन का नाम एवं पता	मूल्य	संस्करण वर्ष
1	2	3	4	5	6
		सर्वश्री--		रु0	
1	पौधशाला व्यवसाय	कृष्ण पंत कोटारी एवं	रंजना प्रकाशन मन्दिर, 12/13,	15.00	1989-90

	आनन्द	बिहारी	सूई कटरा, आगरा		
	श्रीवास्तव				
2	भारत में पौधों की कृषि	डा० मुरारी लाल	सिंघल बुक डिपो, बड़ौत, मेरठ	20.00	1987
		लवनिया			
3	सब्जियाँ एवं पुष्पोत्पादन	श्री वेम, श्री सिंह	भारतीय भण्डार, बड़ौत, मेरठ	15.00	1988
4	भारत में फलोत्पादन	श्री कृष्ण नारायण	रामा पब्लिशिंग हाउस, बड़ौत, मेरठ	15.00	1988
		दुबे			
5	फल विज्ञान	डा० रामनाथ सिंह	भारतीय कृषि अनुसंधान, परिषद, कृषि वन, नई दिल्ली	12.00	1984
6	फ्रूड नर्सरी प्रैक्टिसेज इन इन्डिया	एल० वैधता रतीमन	दि इण्डियन प्रिन्टर्स वर्ग, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली	15.00	1988
		(अंग्रेजी)			
7	पौधशाला प्रौद्योगिकी	डा० ओमपाल सिंह	अलंकार पुस्तक भवन, बड़ौत, मेरठ	16.00	1989

### **30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम।**

#### **प्रथम प्रश्न-पत्र**

#### **पौधशाला प्रौद्योगिकी की आधारभूत ज्ञान**

6-पौध प्रवर्धन में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के पौध रोपण माध्यम यथा बालू, मिट्टी तथा लीफमोल्ड का मिश्रण, कोकोलीट परलाइट, वर्मीकुलाइट, स्फेगनम मास घास आदि।

#### **द्वितीय प्रश्न-पत्र**

#### **पौधशाला पौध प्रवर्धन**

5-वृद्धि नियामक, उनका महत्व तथा वृद्धि, नियामकों की प्रयोग विधि।

#### **तृतीय प्रश्न-पत्र**

#### **पौधशाला प्रबन्ध, अलंकृत एवं शोभाकार पौधे**

7-पौध सुरक्षा--रोग, कीट एवं प्रतिकूल मौसम से पौधों की सुरक्षा।

#### **चतुर्थ प्रश्न-पत्र**

#### **वानिकीय पौधों की पौधशाला**

4--वानिकीय पौधशाला से संबंधित प्रमुख संस्थान।

#### **पंचम प्रश्न-पत्र**

#### **पौध विपणन एवं प्रसार**

4--मातृक्ष पंजिका तैयार करने की रूप रेखा।